मेरा मास्क
आपकी रक्षा
करता है
सभी के लिए मास्क
आपका मास्क मेरी रक्षा करता है

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

CORONA
SE MAT
DARONA
WASH YOUR HAND
RREQUENTLY
WITH SOAP AND WATER

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 14 APRIL TO 20 APRIL 2021 • VOLUME-37 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY
✓ WORK
✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA
AUSTRALIA
USA
U.K
SINGAPORE
EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Haghway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

सीबीएसई 10वीं की परीक्षा रद्द, 12वीं की स्थगित

• सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2021 पर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला • प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिक्षा मंत्रालय व सीबीएसई अधिकारियों की बैठक में हुआ निर्णय

• **नई दिल्ली.** ब्यूरो

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर केंद्र सरकार ने अहम फैसला लिया है। सीबीएसई क्लास 10 के एग्जाम्स इस साल रद्द कर दिए गए हैं। जबकि कक्षा 12वीं की परीक्षाएं स्थगित करने का फैसला लिया गया है।

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बुधवार, 14 अप्रैल को शिक्षा मंत्रालय व सीबीएसई अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया है। देश में कोरोना महामारी से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर केंद्र सरकार ने यह निर्णय लिया है।

कैसे बनेगा 10वीं का रिजल्ट

पहली बार ऐसा हो रहा है जब सीबीएसई ने 10वीं की बोर्ड परीक्षा पूरी तरह रद्द कर दी है। अब सवाल है कि ऐसे में स्टूडेंट्स का रिजल्ट किस तरह तैयार किया जाएगा? पीएम मोदी की बैठक में इस पर भी चर्चा हुई। सरकार इस नतीजे पर पहुंची है कि इसके लिए सीबीएसई मापदंड निर्धारित करेगी। उसी के आधार पर इस साल सीबीएसई 10वीं के सभी स्टूडेंट्स का रिजल्ट बनेगा। बोर्ड द्वारा तय क्राइटीरिया से बने रिजल्ट से अगर कोई स्टूडेंट संतुष्ट नहीं होता है, तो उसे फिर से परीक्षा में बैठने का मौका दिया जाएगा। परिस्थितियां सामान्य होने के बाद सीबीएसई उस परीक्षा का आयोजन करेगा।

आगे कब होगी 12वीं की परीक्षा, सीबीएसई ने जारी किया नोटिस

सीबीएसई बोर्ड ने भी इस संबंध में नोटिस जारी कर दिया है। बोर्ड ने कहा है कि 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 04 मई से 14 जून 2021 तक होनी थीं। लेकिन इन्हें स्थगित कर दिया गया है। ये परीक्षाएं अब कब ली जाएंगी, इसका फैसला 01 जून 2021 को कोविड-19 के हालात की समीक्षा के बाद लिया जाएगा। स्टूडेंट्स को परीक्षा से कम से कम 15 दिन पहले नोटिस जारी कर सूचना दी जाएगी। गौरतलब है कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 1.84 लाख से ज्यादा नये मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश में बोर्ड परीक्षाएं स्थगित की जा चुकी हैं। ऐसे में केंद्र सरकार पर विपक्ष, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब समेत विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से परीक्षा रद्द या स्थगित करने का दबाव बनाया जा रहा था।

जालंधर में अब तक 26,594 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

जालंधर : डिप्टी कमिश्नर घनश्याम थोरी ने बताया कि ज़िले में अब तक 28007 मीट्रिक टन गेहूं की आमद हुई है, जिस में से अलग-अलग खरीद एजेंसियों द्वारा 26594 मीट्रिक टन फ़सल की खरीद की जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि मंडियों में फ़सल की लिफ्टिंग को भी साथ ही साथ विश्वसनीय बनाया जा रहा है जिससे किसानों को किसी किस्म की समस्या पेश न आए।

खरीद एजेंसियां द्वारा खरीद के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि पनगरेन की तरफ से 6590 मीट्रिक टन, मार्कफैड की तरफ से 7263 मीट्रिक टन, पनसप की तरफ से 6945 मीट्रिक टन, पंजाब स्टेट वेयर हाऊस निगम की तरफ से 4956 मीट्रिक टन और एफ.सी.आई. की तरफ से 840 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है।

संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर को श्रद्धा सुमन किये भेंट

• डॉ. अंबेडकर को श्रद्धा सुमन भेंट करते संसद मैंबर चौधरी संतोख सिंह व डीसी घनश्याम थोरी।

• **जालंधर, ब्यूरो**

संसद मैंबर चौधरी संतोख सिंह, विधायक अवतार सिंह बावा हेनरी और डिप्टी कमिश्नर घनश्याम थोरी ने आज नौजवानों को भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में लोकतंत्र के सिद्धांतों को मज़बूत करने का न्योता दिया।

डॉ. अंबेडकर जयंती मनाने के लिए करवाए राज्य स्तरीय वर्चुअल समागम में भाग लेते संसद मैंबर ने कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता की तरफ से सभी के लिए वोट डालने के अधिकार को विश्वसनीय बनाया गया जिससे वह पूरे उत्साह से लोकतंत्रीय प्रणाली में हिस्सा ले सकें। उन्होने कहा कि इस कदम का उद्देश्य लोगों में सामाजिक और राजनैतिक बराबरी को विश्वसनीय बनाना था, जिस से उनको देश के सामाजिक -आर्थिक विकास में एक सक्रिय हिस्सेदार बनने के योग्य बनाया जा सके।

स्वास्थ्य केंद्रों के बेहतरीन संचालन में पंजाब फिर अग्रणी

चंडीगढ़ : केंद्र सरकार द्वारा जारी तंदुरुस्त पंजाब स्वास्थ्य केन्द्रों

सम्बन्धी तीसरी वर्षगांठ के मौके पर जारी विभिन्न राज्यों की सूची में पंजाब को एक बार फिर स्वास्थ्य केन्द्रों के बेहतरीन संचालन के लिए अग्रणी राज्य घोषित किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, पंजाब बलबीर सिंह ने प्रैस बयान के द्वारा बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 2020-21 में दिए 1435 तंदुरुस्त पंजाब स्वास्थ्य केंद्रों को शुरू करने के लक्ष्य से कई गुना अधिक 180 फीसद लक्ष्य प्राप्त किया है। पूरे राज्य में 2820 केन्द्रों में स्वास्थ्य सेवाएं मुकम्मल शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन और पाबंदियों के बावजूद भी पूरे राज्य में पिछले साल 65.2 लाख लोगों ने इन केन्द्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कीं।

शाही स्नान में लाखों ने लगाई डुबकी

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच बैसाखी और मेष संक्रांति के पर्व पर महाकुंभ के तीसरे और मुख्य शाही स्नान में बुधवार को अखाड़ों के साधु संतों ने मुख्य स्नान घाट 'हर की पैड़ी' पर अपार उत्साह के साथ गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाई।

देहरादून : कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच बैसाखी और मेष संक्रांति के पर्व पर महाकुंभ के तीसरे और मुख्य शाही स्नान में बुधवार को अखाड़ों के साधु संतों ने मुख्य स्नान घाट 'हर की पैड़ी' पर अपार उत्साह के साथ गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाई। पवित्र स्नान पर्व पर हरिद्वार और ऋषिकेश के विभिन्न गंगा घाटों पर आम श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर कुंभ का पुण्य लाभ कमाया। शाही स्नान के दौरान महाकुंभ मेले की व्यवस्था की स्वयं निगरानी कर रहे प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में सुचारू ढंग से स्नान चल रहा है।

उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे तक करीब आठ-दस

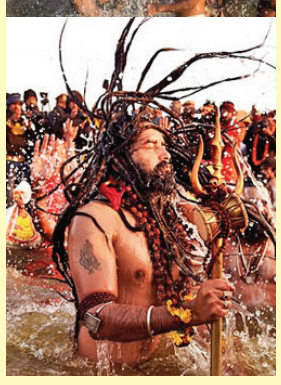

लाख लोग गंगा में डुबकी लगा चुके हैं और तड़के शुरू हुआ स्नान का क्रम लगातार जारी है। अब तक 13 में से चार अखाड़े स्नान कर चुके हैं। सबसे पहले निरंजनी अखाड़े के साधु संत और नगा संन्यासी अपने महामंडलेश्वर आचार्य कैलाशानंद गिरी की अगुवाई में स्नान के लिए हर की पैड़ी ब्रह्मकुंड पहुंचे, जहां उन्होंने अपने इष्टदेवों के साथ नदी में डुबकी लगाई। निरंजनी अखाड़े के साथ ही आनंद अखाड़े के संतों ने भी स्नान किया। इसके बाद जूना अखाड़ा के साधु संन्यासियों ने स्नान किया। सबसे ज्यादा नगा संन्यासियों वाले इस अखाड़े के साधु संत अपने महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद के नेतृत्व में गंगा स्नान के लिए पहुंचे।

जूना अखाड़ा के बाद महानिर्वाणी अखाड़े से जुड़े संत शाही स्नान के लिए पहुंचे और अपने इष्टदेवों के साथ गंगा में डुबकी लगाई। इससे पहले, सुबह सात बजे मेला प्रशासन ने मुख्य स्नान घाट हर की पैड़ी ब्रह्मकुंड को पूरा खाली करा लिया, जिससे कि पूरे दिन यहां सभी 13 अखाड़ों से जुड़े साधु संत शाही स्नान कर सकें। शाही स्नान के दौरान पुलिसकर्मी जगह-जगह लोगों को मास्क बांटते और उन्हें हाथों को सैनिटाइज करने की सलाह देते नजर आए।

जालंधर ब्रीज : खबर का असर

नेशनल हाईवे विभाग

जिम्मेदार सतर्क होंगे तभी जाकर दुर्घटना से बहुमूल्य मानवीय जीवन बच पाएगा

• **जालंधर ब्रीज.**
विशेष रिपोर्टर

पिछले काफी लम्बे समय से जालंधर ब्रीज द्वारा पंजाब के राष्ट्रीय राजमार्गों व राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा को लेकर कई बार अपने समाचार पत्र में मानवीय नुकसान को कम करने के लिए अलग-अलग विभाग के अधिकारियों को समाचार प्रमुखता से प्रकाशित करके जागरूक किया गया जिसका असर अब राष्ट्रीय राज मार्ग एनएच 44 जालंधर-पानीपत पर देखने को मिल रहा है।

अब राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों द्वारा अवैध रूप से हो रही पेडेस्ट्रियन क्रासिंग को रोकने के लिए सेंटर वर्ज (डिवाइडर) पर जीआई की पत्तियां लगाई जा रही हैं जो काफी समय से नहीं लगाई गई थीं। इससे अब किसी भी दो-पहिया वाहनों और पैदल चल रहे लोगों द्वारा अवैध पेडेस्ट्रियन क्रासिंग (पैदल पार पथ) काफी हद तक रुक जाएगी और मेन कैरिज वे पर स्पीड से आ रहे वाहनों को भी मौके पर ब्रेक लगाने से दुर्घटनाग्रस्त नहीं होना पड़ेगा।

परन्तु नेशनल हाईवे विभाग को यह भी साथ में सुनिश्चित करना होगा कि लोगों को रोड क्रॉस करने के लिए विभाग द्वारा अधूरे पड़े फुटओवर ब्रिजों का निर्माण भी जल्द से जल्द पूरा हो जाए। तभी जाकर पूर्ण रूप से अवैध पेडेस्ट्रियन क्रासिंग रुक पाएगी और हर एक व्यक्ति के बहुमूल्य जीवन को बचाया जा सकेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-44 पर अब नहीं होगी अवैध पेडेस्ट्रियन क्रासिंग

• एनएच-44 पर अवैध रूप से हो रही क्रासिंग को रोकने के लिए डिवाइडर पर लगाई पत्तियां। (फोटो: रवि)

जालंधर ब्रीज के पिछले अंक में प्रकाशित खबर की कटिंग

हेल्थ के लिए है वरदान

टमाटर में है कई भयंकर रोगों से लड़ने की ताकत

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ रिपोर्टर

टमाटर विश्व में सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली सब्जियों में से एक है, भारतीय व्यंजनों में टमाटर प्रमुख्ता से इस्तेमाल होता है। इसके बिना सलाद, सूप, सब्जी, अचार, चटनी, कैचअप आदि के बारे में सोचना भी संभव नहीं है। टमाटर में ऐसे कई गुणकारी तत्व होते हैं जो इसे रोगों का उपचार करने में सक्षम बनाते हैं।

आईए जानते हैं टमाटर के गुणों के बारे में...

1 टमाटर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस और विटामिन सी पाया जाता है। एसिडिटी की समस्या होने पर टमाटरों की खुराक बढ़ाने से इस समस्या से निजात मिलता है।

2 टमाटर में काफी मात्रा में विटामिन 'ए' पाया जाता है, जो हमारी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

3 टमाटर खाने से पाचन शक्ति बढ़ती है और गैस की समसा भी दूर होती है।

4 डॉक्टरो के अनुसार टमाटर के नियमित सेवन से श्वास नली बिल्कुल साफ रहती है और खांसी, बलगम की शिकायत खत्म होती है।

5 बच्चों को सूखा रोग होने पर टमाटर का रस पिलाने से फायदा होता है। साथ ही ये उनके तेजी से विकास में भी मदद करता है।

6 गर्भवती महिलाओं के लिए भी सुबह एक गिलास टमाटर के रस का सेवन फायदेमंद होता है।

7 डाइबिटीज व दिल के मरिजों की सेहत के लिए टमाटर बहुत उपयोगी होता है।

8 टमाटर का सेवन कैंसर के रोगियों को भी फायफा करता है, साथ ही ये कफ और पेट साफ करने में भी मदद करता है।

9 अगर पेट में कीड़े होने की शिकायक हो, तो सुबह खाली पेट टमाटर में पिसी हुई काली मिर्च लगाकर खाने से कीड़े मर कर निकल जाते हैं। आप चाहे तो काली मिर्च डले हुए टमाटर का सूप पी सकते हैं।

10 टमाटर के गूदे में कच्चा दूध व नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर चमक आती है।

जानिए ध्यान लगाने के 10 फायदे

मेडिटेशन को अपने दिनचर्या में शामिल कर रहें सेहतमंद

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रुटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 10 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे -

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ रिपोर्टर

1 मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।

2 अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।

3 यदि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।

4 गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।

5 निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।

6 हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।

7 मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।

8 दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।

9 शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वत्ता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।

10 चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।

श्रीकृष्ण के अनुसार 20 आचरण अपना लिए तो जीवन सुखी हो जाएगा

• **जालंधर ब्रीज .** धर्म रिपोर्टर

कर्म और आचरण : कर्मों में कुशलता लाना सहज योग है। भगवान श्रीकृष्ण ने 20 आचरणों का वर्णन किया है जिसका पालन करके कोई भी मनुष्य जीवन में पूर्ण सुख और जीवन के बाद मोक्ष प्राप्त कर सकता है। 20 आचरणों को पढ़ने के लिए गीता पढ़ें। भाग्यवादी नहीं कर्मवादी बनें। यहां प्रस्तुत है 20 आचरणों के नाम अर्थ सहित।

धर्म ज्ञान

ये है 20 आचरण

1. अमानित्वं: अर्थात नम्रता।
2. अदम्भितम: अर्थात श्रेष्ठता का अभिमान न रखना।
3. अहिंसा: अर्थात किसी जीव को पीड़ा न देना, 4. क्षान्ति: अर्थात क्षमाभाव।
5. आर्जव: अर्थात मन, वाणी एवं व्यव्हार में सरलता।
6. आचार्योपासना: अर्थात सच्चे गुरु अथवा आचार्य का आदर एवं निस्वार्थ सेवा।
7. शौच: अर्थात आतंरिक एवं बाह्य शुद्धता।
8. स्थैर्य: अर्थात धर्म के मार्ग में सदा स्थिर रहना।
9. आत्मविनिग्रह: अर्थात इन्द्रियों वश में करके अंतःकरण कों शुद्ध करना।
10. वैराग्य इन्द्रियार्थ: अर्थात लोक परलोक के सम्पूर्ण भोगों में आसक्ति न रखना।
11. अहंकारहीनता: झूठे भौतिक उपलब्धियों का अहंकार न रखना।
12. दुःखदोषानुदर्शनम्: अर्थात जन्म, मृत्यु, जरा और रोग आदि में दुःख में दोषारोपण न करना।
13. असक्ति: अर्थात सभी मनुष्यों से समान भाव रखना।
14. अनभिष्वङ्गशः अर्थात सांसारिक रिश्तों एवं पदार्थों से मोह न रखना।
15. सम चितः अर्थात सुख-दुःख, लाभ-हानि में समान भाव रखना।
16. अव्यभिचारिणी भक्ति : अर्थात परमात्मा में अटूट भक्ति रखना एवं सभी जीवों में ब्रम्ह के दर्शन करना।
17. विविक्तदेशसेवित्वम: अर्थात देश के प्रति समर्पण एवं त्याग का भाव रखना।
18. अरतिर्जनसंसदि: अर्थात निरर्थक वार्तालाप अथवा विषयों में लिप्त न होना।
19. अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं : अर्थात आध्यात्मिक ज्ञान के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहना।
20. आत्मतत्व: अर्थात आत्मा का ज्ञान होना, यह जानना की शरीर के अंदर स्थित मैं आत्मा हूं शरीर नहीं।

बिना चार्जिंग के 1600 किलोमीटर चलेगी इलेक्ट्रिक कार

कैलीफोर्निया : इलेक्ट्रिक कारों की डिमांड अब काफी बढ़ रही है। ये कारें बेहद किफायती है और वन टाइम इंवेस्टमेंट है। साथ ही पर्यावरण को इनसे कोई नुकसान भी नहीं है। हालांकि इलेक्ट्रिक कारों के डिचार्ज होने पर एक छोटी-सी परेशानी है। इन्हें चार्ज होने में 3 से 5 घंटे का समय लगता है। ऐसे में आप सोच रहेंगे अगर इलेक्ट्रिक कार को चार्ज नहीं करना पड़े तो कितना अच्छा होता। लेकिन कुछ कंपनियों ने ऐसा कर दिखाया है। दरअसल ऐसी कारें मार्केट में आ गई हैं जो बिना चार्जिंग के चलेगी।

दरअसर कंपनी ने Aptera Paradigm नाम की सोलर इलेक्ट्रिक कार बनाई है। जिसे कभी चार्ज करना नहीं पड़ेगा। ये कार सूरज की रोशनी लेकर काम करती है। ऐसे में इसे बार-बार चार्ज नहीं करेगा होगा। Aptera Paradigm कार के फीचर की बात करें तो यह 3.5 सेकेंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड पकड़ लेती है। इसकी अधिकतम स्पीड 177 किमी प्रति घंटा है। एक बार चार्ज होने पर यह 1600 किलोमीटर तक चलेगी। कंपनी ने सोलर पॉवर इलेक्ट्रिक कार के लिए प्री-ऑर्डर सेल की शुरूआत की थी। 24 घंटे के अंदर सभी कार बिक गई।

कैलीफोर्निया की स्टार्टअप कंपनी हंबल मोटर्स ने दुनिसा की पहली सोलर पावर एसयूवी हंबल वन को लेकर आया है। कंपनी ने अपनी कार की छत को सोलर पैनल से बदल दिया है। इस सोलर पैनल की सहायता से कार को चार्ज करना नहीं पड़ेगा। ये खुद चलते-चलते चार्ज होती रहेगी। हंबल वन कार में सोलर रूफ, इलेक्ट्रिसिटी जेनरेटिंग साइड लाइट्स, पियर टू पिटर चार्जिंग, री-जेनरेटिव ब्रेकिंग और फोल्ड आउट सोलर विंग्स जैसे फीचर्स है।

5 ब्यूटी टिप्स

भागती जिंदगी में कैसे हो 5 मिनट में तैयार

• **जालंधर ब्रीज .** ब्यूटी एक्सपर्ट

आज के वक्त में हर कोई काफी व्यस्त रहता है। लेकिन महिलाएं अधिक व्यस्त रहती है अगर वह जॉब करती है तो। ऐसे में 5 मिनट में भी उन्हें तैयार होना पड़ता है लेकिन कई बार आपको भी पता नहीं होता है आपकी हालत कैसी हो रही है और आप ऑफिस चले जाते हैं। ऐसी भागती हुई जिंदगी में कुछ ब्यूटी हैक्स है जिन्हें आजमा कर आप 5 मिनट में रेडी भी हो जाएंगी और अच्छी भी लगेगी।

1. सबसे पहले अगर आपको सुबह अपने को संवारने का समय नहीं मिलता है तो रात को ही फेस वॉश कर गुलाबजल लगाकर सोएं। नाइट क्रीम भी लगाकर सो सकते हैं। सुबह आपका चेहरा एकदम खिला हुआ और साफ नज़र आएंगा। ऐसे में आप सिर्फ काजल और लिप ग्लॉस भी लगा सकती है।
2. फाउंडेशन और कंसीलर की जगह आप सिर्फ बीबी या सीसी क्रीम का इस्तेमाल भी कर सकती है। इससे आपका फेस एकदम साफ हो जाएगा।
3. अगर आपके पास आई मेकअप का समय नहीं है तो आप सिर्फ लिप ग्लॉस या लिपस्टिक भी हल्की सी आंखों पर लगा सकती है। इसके बाद उसे हल्के हाथों फैला लें।
4. चेहरे की थोड़ी बहुत देखभाल कर लेते हैं लेकिन हाथ पैर की नहीं कर पाते हैं। ऐसे हाथों पर शाइन के लिए तेल लगाएं। वहीं पैरों की फटी ऐड़ियों के लिए आप मोजे पहनकर उन्हें छुपा सकते हैं। ऐसे में रात को हर दिन पैर धो कर उस पर वैसलिन या तेल लगा लें। इससे पैरों की नमी बरकरार रहेगी।
5. अगर आपके पास बाल धोने का वक्त नहीं है और बालों में तेल आ गया है तो आप टेलकम पाउडर लगाकर बाल बना सकती है। बालों की जड़ में हल्का सा टेलकम पाउडर लगा लें और मोटे दांत वाले कंघे से बाल बनाएं।

पूजा अर्चना के साथ हिंदू नव वर्ष संवत् 2078 का स्वागत

चैत्र शुक्लपक्ष की प्रतिपदा तिथि से नया हिंदू नववर्ष प्रारंभ हो जाता है। 13 अप्रैल, मंगलवार से नव संवत् 2078 का शुभारंभ हो गया है। चैत्र का महीना हिंदू कैलेंडर का पहला महीना माना जाता है। चैत्र प्रतिपदा से नवरात्रि का पर्व भी आरंभ होता है। महाराष्ट्र में हिंदू नववर्ष को गुड़ी पड़वा के नाम से मनाया जाता है। इस नए संवत् के लिए आप सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं।

रूसी कोरोना वैक्सीन स्पूटनीक वी को भारत में मंजूरी

कोविशील्ड और कोवैक्सीन से कितनी अलग है

स्पतनिक वी वैक्सीन को बनाने वाले आरडीएफआई ने भारत की दवा कंपनियों से करोड़ों डोज तैयार करने के लिए सौदे किए हैं। भारत में इस वैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है।

• नई दिल्ली.ब्यूरो

स्पतनिक वी वैक्सीन को बनाने वाले आरडीआईएफ ने भारत की दवा कंपनियों से करोड़ों डोज तैयार करने के लिए सौदे किए हैं। भारत में इस वैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है।

भारत में कोरोना वायरस के एक और टीके को मंजूरी मिल गई है। रूस में डिवेलप की गई कोविड-19 वैक्सीन स्पूटनीक वी को सरकारी पैनल ने अप्रूव कर दिया है। देश में इस वैक्सीन का फेज 3 ट्रायल चल रहा है। वैसे दुनिया में रेगुलेटरी अप्रूवल हासिल करने वाली यह पहली वैक्सीन थी मगर पर्याप्त ट्रायल डेटा न होने के चलते दूसरे देशों ने इसे उतनी तवज्जो नहीं दी। भारत में कोरोना वायरस के दो टीकों- कोविशील्ड और कोवैक्सीन को जनवरी 2021 के पहले हफ्ते में अप्रूवल मिल चुका है।

स्पूटनीक वी कैसे अलग है कोविशील्ड व कोवैक्सीन से...

फेज 3 ट्रायल के अंतरिम नतीजों में स्पूटनीक वी वैक्सीन की एफेकसी 91.6% पाई गई है। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन ने फेज 3 क्लिनिकल ट्रायल में 81% की एफेकसी हासिल की थी। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड की एफेकसी 62% दर्ज हुई थी। हालांकि डेढ़ डोज देने पर एफेकसी 90% तक पहुंच गई।

क्या है डोज पैटर्न और स्टोरेज का तरीका?

• कोविशील्ड की दो डोज 4-8 हफ्तों के अंतराल पर दी जाती हैं। इसे स्टोर करने के लिए सब जीरो तापमान (शून्य से कम) की जरूरत नहीं है। • कोवैक्सीन की दो डोज 4-6 हफ्तों के अंतराल पर दी जाती हैं। इसे भी 2-8 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान पर स्टोर कर सकते हैं। • स्पूटनीक वी के डिवेलपर्स के अनुसार, इसे भी 2-8 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच स्टोर किया जा सकता है। यह वैक्सीन भी दो डोज में दी जाती है।

कीमत और उपलब्धता का क्या है सीन?

कोविशील्ड और कोवैक्सीन दोनों ही सरकारी अस्पतालों में मुफ्त में लगाई जा रही हैं। प्राइवेट अस्पताल में जाने पर 250 प्रति डोज का शुल्क लिया जा रहा है। सरकार सीरम इंस्टिट्यूट और भारत बायोटेक को 150 रुपये प्रति डोज दे रही है। • स्पूटनीक वी की भारत में कीमत अबतक स्पष्ट नहीं है। विदेश में यह टीका 10 डॉलर प्रति डोज से कम है। आरडीआईएफ का शुरुआती प्लान इसे रूस से आयात करने का है। ऐसे में कीमत ज्यादा हो सकती है। • एक बार इस वैक्सीन का प्राडक्शन भारत में शुरू हो जाए तो कीमतें काफी कम हो जाएंगी। डॉ रेड्डी लैबोरेटरीज से 10 करोड़ डोज बनाने की डील हुई है। इसके अलावा आरडीआईएफ ने हेटरो बायोफार्मा, ग्लैंड फार्मा, स्टेलिस बायोफार्मा, विक्ट्री बायोटेक से 85 करोड़ डोज बनाने का भी करार कर रखा है।

एड्स जैसी गंभीर बीमारी पर रिसर्च कर चुके डॉ कूवाडिया ने कहा-

कोरोना जैसी महामारी जीवन में नहीं देखी

दक्षिण अफ्रीकी शिक्षाविद् प्रोफेसर हुसैन मोहम्मद 'जेरी' कूवाडिया ने कहा कि, कोविड-19 जैसी महामारी जीवन में नहीं देखी। डॉ कूवाडिया ने साप्ताहिक 'सैटरडे इंडिपेंडट' को बताया कि उन्हें और उनकी पत्नी डॉ जुबी हामिद को संक्रमण से बचाव के लिए टीका लग चुका है।

जोहानिसबर्ग : भारतीय मूल के प्रख्यात दक्षिण अफ्रीकी शिक्षाविद् प्रोफेसर हुसैन मोहम्मद 'जेरी' कूवाडिया ने कहा है कि कोविड-19 जैसी महामारी उन्होंने अपने छह दशक के कार्यकाल में कभी नहीं देखी। डॉ कूवाडिया अपनी पुस्तक 'पीडिएट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ' के सातवें संस्करण के विमोचन के बाद डरबन में अपने आवास में बातचीत के दौरान यह बात कही और उनकी पत्नी डॉ जुबी हामिद को संक्रमण से बचाव के लिए टीका लग चुका है। उन्होंने कहा, ''कोरोना वायरस लंबे समय से मौजूद था लेकिन मैंने कोविड-19 जैसी बीमारी कभी नहीं देखी।'' जॉन हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका में संक्रमण के 1,557,527 मामले हैं और इससे 53,256 लोगों की मौत हो चुकी है।

कूवाडिया को मां से बच्चे को एचआईवी/एड्स होने संबंधी उनके अहम शोध के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में कोविड-19 का असर हालांकि कम ही होता है लेकिन अगर बच्चों में किसी प्रकारी की बीमारी मसलन उन्हें तपेदिक हो तो स्थिति खराब हो सकती है। अपनी पुस्तक के सातवें संस्करण के बारे में उन्होंने कहा कि '' 1984 में हमारे पास जितनी किताबें (चिकित्सा से जुड़ी) थीं वे सारी अंग्रेजों की लिखी हुई थीं। विकासशील देशों पर कोई पुस्तक नहीं थी, जो खास तौर पर दक्षिणी अफ्रीका के बच्चों की बीमारियों को दूर करने में सहायक साबित हो सके।'' कूवाडिया ने कहा,'' यहीं से लिखने की शुरुआत हुई,लेकिन मुझे कहना है कि यह सामूहिक प्रयास था और मैंने विभिन्न विश्वविद्यालयों के अपने मित्रों और सहयोगियों से शोध एकत्र किए।'' कूवाडिया ने चिकित्सा की डिग्री मुंबई से ली है।

फोन खोने या चोरी हो जाने पर आप अपने वॉट्सऐप अकाउंट को ऐसे रख सकते हैं सेफ

• नई दिल्ली.ब्यूरो

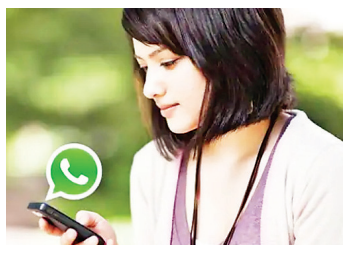

मोबाइल में वॉट्सऐप केवल तभी काम करता है, जब आपका फोन चालू हो। साथ ही, उसमें डेटा ऑन हो या वह वाई-फाई से कनेक्टेड हो। लेकिन, उस समय हमारी मुश्किल काफी बढ़ जाती है, जब मोबाइल चोरी हो गया हो या कहीं गिर गया हो। साथ ही, हम किसी दूसरे मोबाइल पर अपना वॉट्सऐप अकाउंट एक्सेस न कर पा रहे हों।

मेसेजिंग प्लैटफॉर्म वॉट्सऐप ने कुछ स्टेप्स बताए हैं, जिनका इस्तेमाल हम फोन के चोरी होने या कहीं गिर जाने पर कर सकते हैं। इन स्टेप्स की मदद से आप अपने वॉट्सऐप अकाउंट का दुरुपयोग होने से बचा सकते हैं। चूंकि, किसी दूसरे डिवाइस के जरिए आप दूर से अपने वॉट्सऐप अकाउंट को डीऐक्टिव नहीं कर सकते हैं, ऐसे में इन स्टेप्स की मदद से अपने अकाउंट को सेफ रख सकते हैं।

सबसे पहले आपको अपनी टेलिकॉम कंपनी के कस्टमर केयर नंबर्स पर कॉल करके अपने सिम कार्ड को लॉक करा देना चाहिए। सिम कार्ड लॉक होने के बाद उस फोन में वॉट्सऐप अकाउंट वैरिफाई नहीं हो पाएगा, क्योंकि अकाउंट वैरिफिकेशन के लिए कोई एसएमएस या कॉल नहीं आएगी। इस तरह कोई आपके वॉट्सऐप अकाउंट का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। सिम लॉक होने के बाद यूजर के पास 2 ऑप्शन होंगे। आप नए फोन में उसी नंबर का नया सिम कार्ड डालकर वॉट्सऐप अकाउंट को ऐक्टिवेट कर सकते हैं।

दूसरा ऑप्शन, वॉट्सऐप अकाउंट को डीऐक्टिवेट करने वाला है। इसके लिए यूजर को (Lost/Stolen : Please deactivate my account) सब्जेक्ट डालकर वॉट्सऐप को ई-मेल करना होगा। ई-मेल में आपको अपना फोन नंबर इंटरनेशनल फॉर्मेट में लिखा होगा। यानी, आपको +91 के बाद अपना मोबाइल नंबर डालना होगा। डीऐक्टिवेट होने के बाद आपके कॉन्टैक्ट्स आपकी प्रोफाइल फोटो को देख सकते हैं और मेसेज भेज सकते हैं, जो कि 30 दिन तक पेंडिंग बने रहेंगे। अगर अकाउंट डिलीट होने से पहले ही यूजर उसे फिर से चालू कर पाया तो उसे नए फोन में भेजे गए सारे पेंडिंग मेसेज मिल जाएंगे। साथ ही, वह सभी ग्रुप चैट्स में बना रहेगा। अगर यूजर अपने वॉट्सऐप अकाउंट को ऐक्टिवेट नहीं कर पाता है तो 30 दिन के भीतर अकाउंट पूरी तरह से डिलीट हो जाएगा। ध्यान देने वाली बात यह है कि सिम कार्ड ब्लॉक करवाने और सर्विसेज को डिसेबल करवाने के बाद भी अगर यूजर कंपनी के पास अकाउंट डीएक्टिवेशन रिक्वेस्ट नहीं भेजता है तो वॉट्सऐप को वाइफाई पर यूज किया जा सकता है।

ब्राजील में बन रहा है ईसा मसीह का दुनिया का सबसे बड़ा स्टेच्यू

दिल्ली : ब्राजील में ईसा मसीह का दुनिया का सबसे बड़ा स्टेच्यू का निर्माण किया जा रहा है। रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के एनकांटाडो में 2019 में शुरू हुए इस स्टेच्यू की ऊंचाई लगभग 141 फीट (लगभग 43 मीटर) है। एक बार इस स्टेच्यू के बनकर तैयार होने के बाद यह रियो डी जनेरिया में रियो डी जनेरिया क्राइस्ट द रिडीमर स्टेच्यू को पीछे छोड़ देगा जिसकी ऊंचाई 38 मीटर है। वहीं, एक हाथ से दूसरे हाथ के छोर की लंबाई लगभग 118 फीट है। स्टेच्यू के सीने में एक ग्लास की खिड़की दी जाएगी जिससे कि बाहर के नजारे को देखा जा सकता है। इसमें एक स्टील के फ्रेम का इस्तेमाल किया जा रहा है जिसमें 17,600 क्यूबिक फीट से अधिक कंक्रीट भी उपयोग किया जाएगा।

दुबई में रमजान के दौरान रेस्तरां को पर्दे से ढंकने की अनिवार्यता खत्म हुई

दुबई : दुबई में लंबे समय से चली आ रही उस अनिवार्यता को बंद करने की दिशा में कदम उठाया गया है जिसमें रमजान के दौरान सभी रेस्तरां को दिन के वक्त परदों से ढकना आवश्यक हुआ करता था ताकि रोजा रख रहे लोगों की नजर से खाद्य पदार्थ दूर रहें।

दुबई में लंबे समय से चली आ रही उस अनिवार्यता को बंद करने की दिशा में कदम उठाया गया है जिसमें रमजान के दौरान सभी रेस्तरां को दिन के वक्त परदों से ढकना आवश्यक हुआ करता था ताकि रोजा रख रहे लोगों की नजर से खाद्य पदार्थ दूर रहें। यहां के आर्थिक विकास विभाग ने पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को इस कदम की घोषणा की।

सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम ने कहा, ''रेस्तरां अपने यहां पर्दे आदि लगाए बगैर ही ग्राहकों को भोजन परोस सकेंगे। पहले पर्दे लगाना अनिवार्य हुआ करता था।'' इसमें कहा गया, ''यह नया आदेश पहले के वर्षों में जारी उन आदेशों का स्थान ले लेगा जिनके तहत रोजा रखने वालों की खातिर खानपान वाले हिस्सों को ढकना आवश्यक हुआ करता था।''

नए नियमों के तहत दिन के वक्त भोजन परोसने के लिए अब रेस्तरां को पहले की तरह विशेष परमिट लेने की भी जरूरत नहीं होगी।

खाड़ी के अरब देशों में रमजान के दौरान सार्वजनिक तौर पर खाने पीने पर जुर्माने लगाए जाते हैं तथा ऐसा करने वाला आदमी कानूनी पचड़ों में भी फंस सकता है। हालांकि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दुबई नियमों में बदलाव कर रहा है।

आपकी घड़ी में टाइम के साथ AM और PM क्यों लिखा जाता है?

• जालंधर ब्रीज.रिपोर्टर

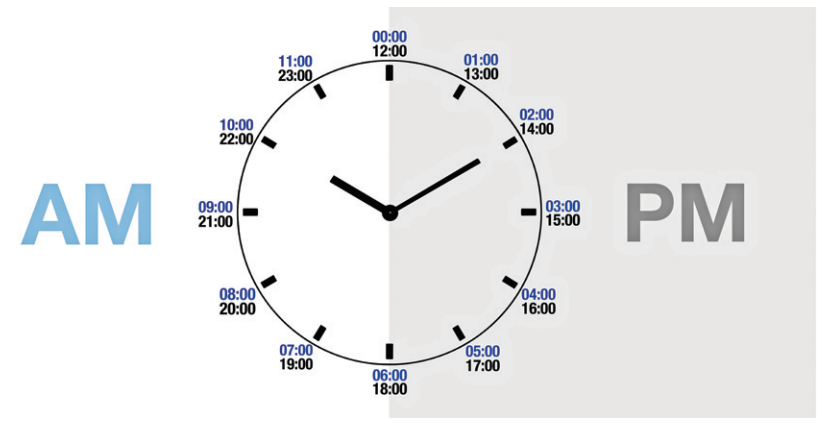

लैटिन शब्द पोस्ट ने भी इंग्लिश भाषा में जगह बना ली है और अक्सर इसका प्रयोग अब होता है। एएम और पीएम का चलन जब हुआ तो लोगों को कई तरह के कन्फ्यूजन भी हुए। लोग इस बात को लेकर दुविधा में थे कि मध्यरात्रि और मध्यदिवस का निर्धारण कैसे किया जाएगा।

अक्सर जब कभी आप अपनी घड़ी में टाइम सेट करते हैं तो एएम या पीएम पर जरूर ध्यान देते होंगे। अगर रात के 12 बजे के बाद का समय है तो एएम और अगर दोपहर के 12 बजे के बाद का समय है तो पीएम मगर क्या इन शब्दों का मतलब जानते हैं। हम रोजाना अपने रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं जो लैटिन भाषा के हैं लेकिन अब इंग्लिश के साथ उनका चलन काफी बढ़ गया है। एएम और पीएम भी ऐसे ही शब्द हैं।

लैटिन भाषा के शब्द एएम और पीएम

एएम और पीएम ये दोनों संक्षिप्त शब्द हैं जो लैटिन भाषा से आए हैं। अमेरिका समेत उन तमाम देशों में जहां इंग्लिश बोली जाती है, इन दोनों शब्दों का प्रयोग जमकर होता है। इनका सही प्रयोग हमारी घड़ी की सेंटिंग के लिए होता है लेकिन इसके बाद भी तमाम लोग ऐसे हैं जो शायद इस बात को नहीं जानते हैं कि एएम और पीएम का असली मतलब दरअसल क्या है। एएम यानी Ante Meridiem (आंते मेरीदीयम) यानी दोपहर से पहले या मध्यदिवस से पहले का समय।

इसलिए ही घड़ी में 12 घंटे का सिस्टम है और 12 घंटे बाद समय का स्वरूप बदल जाता है। पीएम यानी Post Meridiem (पोस्ट मेरीदीयम) यानी दोपहर या मध्यदिवस के बाद का समय। दोपहर के बाद के समय में हमेशा पीएम का प्रयोग होता है।

मिलिट्री टाइम का प्रयोग

लैटिन शब्द पोस्ट ने भी इंग्लिश भाषा में जगह बना ली है और अक्सर इसका प्रयोग अब होता है। एएम और पीएम का चलन जब हुआ तो लोगों को कई तरह के कन्फ्यूजन भी हुए। लोग इस बात को लेकर दुविधा में थे कि मध्यरात्रि और मध्यदिवस का निर्धारण कैसे किया जाएगा। जिस तरह के टाइम फॉर्मेट को अभी प्रयोग किया जा रहा है उसे मिलिट्री टाइम के तौर पर करार दिया गया था। ऐसे में 12 बजे को लेकर सबसे ज्यादा कंफ्यूजन लोगों में हुआ।

तकनीकी रूप से, रात में 12:00, जिसे हम '12 बजे पूर्वाह्न' के रूप में जानते हैं, पिछली दोपहर के बाद और आने वाले दोपहर से ठीक 12 घंटे पहले है, तो क्या इसे 'दोपहर' से पहले या 'बाद' के रूप में गिना जाता है? ज़ाहिर है, दोपहर 12:00 बजे दोपहर है, इसलिए इसे 'पहले' या 'बाद में' बताने पर थोड़ा मूर्खतापूर्ण लग सकता था। अंग्रेजी बोलने वाले देश आधी रात को बताने के लिए '12:00 पूर्वाह्न' का प्रयोग उपयोग करके इसे पार करते हैं, चूंकि मध्यरात्रि नया दिन शुरू करता है, इसलिए इसे उसी दिन के 'दोपहर से पहले' माना जा सकता है।

किन देशों में 12 घंटे वाला सिस्टम

ऐसे में यह बताने की जरूरत नहीं है कि शायद और भी ज्यादा कंफ्यूजन वाला हो सकता था अगर समय दोपहर 12:00 बजे से 12:01 बजे तक हो. कई लोगों ने भाषा की वजह से दोपहर को दोपहर के बाद कहने पर विरोध जताया। फिर एएम पीएम में एम को जोड़ा गया था। एएम/पीएम सिस्टम में एम को उस शब्द के तौर पर रखा गया जिसका प्रयोग 12 के बाद किया जाएगा। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ देशों में 12 घंटे वाले क्लॉर्क फॉरमेट का प्रयोग किया जाता है। दिन में 24 घंटे के फॉर्मेट के लिए इजिप्ट के लोगों को जिम्मेदार बताया जाता है। कहते हैं इजिप्ट के लोगों उंगली पर गिनती करते थे जिसमें अंगूठे को नहीं माना जाता था। यहां से ही दिन में 24 घंटे वाले समय का फॉर्मेट दुनिया में आया।

'गैंगनम स्टाइल' को भी दी मात

24 साल की इस सिंगर ने तोड़े 2 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

• मुंबई.ब्यूरो

के-पॉप गर्ल ग्रुप 'ब्लैकपिंक' की मेंबर रोजेन पाक उर्फ रोजे के फैन्स के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। रोजे ने अपने सिंगल डेब्यू के साथ ही एक नहीं बल्कि दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। याद दिला दें कि हाल ही में रोजेन पाक ने सॉन्ग 'ऑन द ग्राउंड' से सिंगल डेब्यू किया, जिसे यू-ट्यूब पर काफी पसंद किया जा रहा है और ये गाना ढेर सारा व्यूज बटोर रहा है।

'गैंगनम स्टाइल' का तोड़ा रिकॉर्ड

कुछ साल पहले पीएसवाई का धमाकेदार गाना 'गैंगनम स्टाइल' काफी वायरल हुआ था और इसके साथ ही इस गाने ने कई रिकॉर्ड्स भी बनाए थे। 'गैंगनम स्टाइल' को रिलीज के 24 घंटे में 36 मिलियन व्यूज मिले थे, लेकिन अब रोजे के गाने 'ऑन द ग्राउंड' को 41.6 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। बता दें कि 24 साल की रोजे ने जून 2020 में अपना सोलो डेब्यू अनाउंस किया था और 12 मार्च को सिंगल डेब्यू एल्बम 'आर' रिलीज हुआ है।

कौन हैं रोजेन पाक

रोजेन पाक उर्फ रोजे 24 साल की एक सिंगर हैं, जो साउथ कोरिया में रहती हैं। इनका जन्म न्यूजीलैंड में हुआ, लेकिन बड़ी यह ऑस्ट्रेलिया में हुईं। रोजे ने साल 2012 में वाईजी एंटरटेनमेंट के लिए ऑडिशन दिया और इस साउथ कोरियन लेबल के साथ चार साल की ट्रेनिंग ली। ट्रेनिंग के बाद 2016 में रोजे, 'ब्लैकपिंक' का हिस्सा बन गईं।

24 घंटों में 41.6 मिलियन व्यूज

जानकारी के मुताबिक रोजे के सॉन्ग 'ऑन द ग्राउंड' को रिलीज के मात्र 24 घंटे के अंदर ही 41.6 मिलियन (4 करोड़ से अधिक) व्यूज मिल चुके हैं। वहीं रोजे ग्लोबल बिलबोर्ड 200 और बिलबोर्ड ग्लोबल Excl में भी पहले नंबर पर पहुंची हैं। अब खास बता ये है कि रोजे ऐसी पहली आर्टिस्ट हैं, जो बिलबोर्ड ग्लोबल चार्ट में बतौर सोलो और ग्रुप के सदस्य के तौर पर पहले नंबर पर हैं।

अंबेडकर जयंती पर कैप्टन अमरिंदर सिंह का ऐलान

सभी सरकारी स्कीमों में 30% फंड अनुसूचित जातियों पर खर्च होगा

• चंडीगढ़, ब्यूरो :

पंजाब सरकार द्वारा अपनी सभी योजनाओं में कम से कम 30 प्रतिशत फंड राज्य की अनुसूचित जाति जनसंख्या की भलाई के लिए ख़र्च किए जाएंगे। यह ऐलान मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि भेंट करते हुए दलित भाईचारे के विकास के लिए उठाए जाने वाले कई कदमों के साथ किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर को पहले भारतीय के तौर पर याद किया जाना चाहिए जिन्होंने दलित समाज के लिए बहुत कुछ प्राप्त किया।

राज्य स्तरीय वर्चुअल समागम के दौरान भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर को उनके 130वें जन्म दिवस के मौके पर श्रद्धासुमन भेंट करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी विभागों में एससी पदों का बैकलॉग पहल के आधार पर भरने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने सियाजीराओ गायकवाड़ द्वारा स्थापित स्कीम

- एससी पदों को पहल के आधार पर भरने और एससी बस्तियों के लिए ग्रामीण लिंक सड़क़ों के 500 करोड़ की लागत वाले प्रोजैक्ट का भी ऐलान किया
- 50 प्रतिशत से अधिक एससी जनसंख्या वाले गांवों के आधुनिकीकरण के लिए 100 करोड़ की योजना शुरू की जाएगी

के अंतर्गत बाबा साहेब को दी गई बड़ोदा स्टेट स्कॉलरशिप स्कीम की तजऱ् पर एस.सी. विद्यार्थियों के लिए पोस्ट-मैट्रिक ओवरसीज़ स्कॉलरशिप स्कीम की संभावनाएं तलाशने का भी वादा किया।

मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2022 के लिए ग्रामीण लिंक सडक़ों के लिए 500 करोड़ रुपए की लागत वाले विशेष प्रोजेक्ट का भी ऐलान किया। इस प्रोजैक्ट के अधीन अनुसूचित जातियों और अन्य गरीब वर्गों की आबादी के लिए नए लिंक रोड बनाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत से अधिक एससी आबादी वाले गांवों के आधुनिकीकरण के लिए वर्ष 2021-22 में 100 करोड़ की विशेष राशि प्रस्तावित की गई है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत या उसके बराबर अनुसूचित जाति जनसंख्या वाले गांवों में मौजूदा ग्रांटों को और आगे बढ़ाना है।

सरकारी स्कूलों में बारहवीं कक्षा के सभी एससी विद्यार्थियों को स्मार्ट फ़ोन दिए जाएंगे, जबकि डेयरी फार्मिंग के लिए प्रेरित करने के लिए 9 प्रशिक्षण और एक्स्टेंशन सैंटरों में गांव स्तरीय 150 जागरूकता कैंप लगाए जाएंगे। उनकी सरकार ने 'हर घर पक्की छत' के अधीन गांवों में एससी अर्जियों के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण व कमज़ोर वर्गों के लिए वाजिब कीमतों वाली हाउसिंग स्कीम में भी 30% आरक्षण प्रस्तावित किया।

अकाली व भाजपा द्वारा दलित नेताओं की सरकार में नियुक्ति का वादा महज़ चुनावी हथकंडा

• चंडीगढ़, ब्यूरो

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बुधवार को शिरोमणि अकाली दल और भाजपा द्वारा चुने जाने की सूरत में सरकार में दलित नेताओं को क्रमवार उप मुख्यमंत्री/मुख्यमंत्री बनाए जाने के वादों को बेतुका चुनावी हथकंडा बताया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों पार्टियां, जिन्होंने अपने शासन के दौरान एससी भाईचारे के लिए कुछ नहीं किया, के पिछले बुरे रिकॉर्ड को देखते हुए यह साफ़ है कि शिरोमणि अकाली दल और भाजपा 10 वर्षों के दौरान राज्य में दलितों के कल्याण को यकीनी बनाने में नाकाम रही हैं। अब 2022 की मतदान पर आंख रखते हुए दलित भाईचारे को मोहने के लिए राजनैतिक ड्रामेबाज़ी पर उतर आई हैं।

पिछली अकाली-भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्य में दलितों की दयनीय हालत के बारे में बात करते हुए कैप्टन अमरिंदर ने कहा कि एससी भाईचारा 10 सालों से राज्य में अब तक की सबसे बुरी सरकार के शासनकाल में जीने के लिए संघर्ष कर रहा था। उन्होंने कहा कि अकालियों ने उनके लिए कुछ भी नहीं किया। अंबेडकर जयंती मनाने के लिए वर्चुअल राज्य स्तरीय समागम के दौरान बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद एक-एक कर एससी भाईचारे से किए सभी चुनावी वादों को लागू करने का अमल शुरू किया।

यह याद करते हुए कि उनकी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में शगुन स्कीम की राशि साल 2002 में 5100 रुपए से बढ़ा कर साल 2006 में 15000 रुपए की, मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2007 से 2017 तक अकाली-भाजपा द्वारा इसमें कोई वृद्धि नहीं की गई। उन्होंने कहा 'मेरी सरकार ने दुबारा यह रकम बढ़ा कर 51,000 रुपए (1 जुलाई, 2021 से लागू) की।' मार्च 2017 में सत्ता संभालने से लेकर उनकी सरकार ने 1.95 लाख व्यक्तियों को 409 करोड़ रुपए की अदायगी की।

SPORTS PLANET स्पोर्ट्स प्लेनेट

आईपीएल-2021

सूर्यकुमार यादव का 99 मीटर लंबा छक्का, पांड्या के उड़े होश

मुंबई : पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने एक लंबा और शानदार छक्का जड़ा। दरअसल, सूर्यकुमार यादव का यह छक्का इतना लंबा था कि हार्दिक पांड्या का आश्चर्य से मुंह खुला रह गया।

मंगलवार को आईपीएल के छठे मुकाबले में केकेआर और मुंबई इंडियंस के बीच काफी रोमांचक मैच हुआ। जिसमें मुंबई की टीम ने केकेआर को 10 रनों से मात दी।

केकेआर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने एक लंबा और शानदार छक्का जड़ा।

दरअसल, सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस की पारी के 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर पैट कमिंस को यह सिक्स जड़ा था। वहीं वह उस वक्त 44 रनों पर खेल रहे थे। उन्होंने कमिंस की लेंथ बॉल को डीप स्क्वायर पर छक्के के लिए भेजा। बता दें कि, सूर्यकुमार ने यह छक्का पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के 'हेलिकॉप्टर शॉट' के अंदाज में जड़ा था।

इसके बाद सूर्यकुमार यादव के शानदार सिक्स को पैट कमिंस और कोलकाता के बाकी खिलाड़ी देखते ही रह गए। और सिर्फ कोलकाता के ही क्यों बल्कि उनकी टीम मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी भी हक्के बक्के रह गए। सबसे आश्चर्यचकित कर देना वाला रियक्शन मुंबई टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का था, जो सूर्यकुमार के लगाए छक्के को देखने के लिए अपनी सीट पर खड़े हो गए। जिसके बाद उनका मुंह खुला का खुला रह गया। बता दें कि, सूर्यकुमार यादव 36 गेंदों में 56 रन की पारी खेलकर आउट हुए। शाकिब अल हसन की गेंद पर शुभमन गिल ने उनका कैच लपका। सूर्यकुमार ने अपनी पारी में 7 चौके और 2 छक्के जड़े।

पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 152 रन बनाए। जवाब में केकेआर की टीम 142 रन ही बना सकी। केकेआर को अंतिम 30 गेंद पर 31 रन बनाने थे और 6 विकेट बचे थे। इसके बाद टीम केकेआर टीम मैच नहीं जीत सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर को नीतीश राणा (57) और शुभमन गिल (33) ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 8.5 ओवर में 72 रन की साझेदारी की। हालांकि इसके बाद राहुल त्रिपाठी (5) और कप्तान ऑयन मॉर्गन (7) बड़ी पारी नहीं खेल सके। इस बीच नीतीश भी आउट हो गए। चारों विकेट लेग स्पिनर राहुल चाहर को मिले। नीतीश ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक लगाया। शाकिब (9) को क्रुणाल ने आउट किया। इसके बाद मैच बराबरी पर आ गया। क्रुणाल ने अपनी ही गेंद पर रसेल का शून्य रन पर कैच छोड़ दिया। बुमराह ने 18वें ओवर में 5 रन पर रसेल का एक कैच और छोड़ा। गेंदबाज क्रुणाल ही थे। अंतिम दो ओवर में केकेआर को जीत के लिए 19 रन बनाने थे। 19वें ओवर में बुमराह ने सिर्फ 4 रन दिए। अंतिम ओवर में 15 रन बनाने थे। लेकिन बोल्ट ने सिर्फ 4 रन दिए और 2 विकेट झटके. केकेआर की टीम 7 विकेट पर 142 रन ही बना सकी।

माइनिंग अफ़सर पर हमले का दोषी फिरोजपुर से काबू

चंडीगढ़ : माईनिंग अधिकारी पर हमला करने वाले मुख्य दोषी सुखचैन सिंह उर्फ चैना को फिरोजपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चार मार्च की रात को माइनिंग अफ़सर, फ़िरोज़पुर विपिन कुमार कम्बोज़ ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव गिल मुदकी में गैर-कानूनी माइनिंग साइट पर छापा मारा। माइनिंग अधिकारी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे, उन्होंने देखा कि सडक़ को एक ट्रैक्टर व ग़ैर-कानूनी खनन करके रेत से भरी ट्रॉली से बंद किया हुआ था। जब माइनिंग अफ़सर ने इसके बारे में पूछा तो सुखचैन सिंह उर्फ चैना समेत कुछ अनजान व्यक्तियों ने उन पर हमला कर दिया और माइनिंग अधिकारी की गाड़ी को नुक्सान पहुंचाया।

बारदाने की कमी संबंधी ख़बर को आशु ने सिरे से नकारा, कहा-

सभी ख़रीद एजेंसियों के पास है बारदाना

• चंडीगढ़, ब्यूरो

पंजाब में गेहूं की फ़सल की ख़रीद कर रही ख़रीद एजेंसियों के पास बारदाने की कमी संबंधी ख़बर को सिरे से नकारते हुए पंजाब के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री भारत भूषण आशु ने कहा कि सभी ख़रीद एजेंसियों के पास बारदाने की भरपूर मात्रा में उपलब्धता है। मंडियों में बारदाने की कमी नहीं है।

उन्होंने कहा कि बारदाने की ख़रीद संबंधी टैंडरिंग की कार्यवाही लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, जो कि सीज़न से काफ़ी पहले ही शुरू हो जाती है, क्योंकि एक टैंडर के द्वारा ज़रूरत पडऩे पर पूरी मात्रा में बारदाने मुहैया करवाने का भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पुराने बारदाने के इस्तेमाल संबंधी केंद्र सरकार

द्वारा मंज़ूरी बहुत देरी से दी गई, जिस कारण 12 अप्रैल को टैंडर जारी करने की ज़रूरत पड़ी थी।

आशु ने कहा कि भारत के जूट कमिशन और नफेड द्वारा बारदाने की गांठें की सप्लाई दी जा चुकी है। बिना किसी आधार के मुद्दा बना रहे लोगों पर शब्दी प्रहार करते हुए आशु ने कहा कि विभाग को पी.पी. बैगों की गांठों की सप्लाई भी कई एच.डी.पी.ई./पी.पी. बैग सप्लाई करने वालों से लगातार प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा केंद्र सरकार ने 12 अप्रैल 2021 को पंजाब सरकार को बढिय़ा गुणवत्ता वाला पुराना बारदाना भी बरतने की मंज़ूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि गेहूं की ख़रीद प्रक्रिया पूरी रफ्तार से चल रही है और 13 अप्रैल 2021 तक राज्य की मंडियों में 5,44,334 मीट्रिक टन गेहूं की फ़सल की ख़रीद की गई है, जिसमें से 44,728 मीट्रिक टन गेहूं की ख़रीद डी.सी.पी. के अधीन की गई है, जोकि स्मार्ट राशन कार्ड धारकों को बांटी जानी हैं।

आशु ने कहा कि मंडियों में भीड़ एकत्र होने से रोकने के लिए उचित प्रबंध किए गए हैं, जिससे मंडी बोर्ड द्वारा जारी पास के अनुसार किसान अपनी फ़सल को मंडी लेकर आएं और कोविड-19 सम्बन्धित नियमों की पालना हो सके।

डोडे चूरा-पोस्त छुपाकर ला रहे दो तस्कर गिरफ्तार

• जब्त डोडे चूरा-पोस्त समेत पुलिस पार्टी।

जालंधर : थाना भोगपुर जिला जालंधर देहाती की पुलिस ने दो नशा तस्करों मोहम्मद इलियास व मंजूर अहमद को 200 किलो डोडे चूरा-पोस्त समेत गिरफ्तार किया है। ये दोनों जम्मू से पंजाब लाकर डोडे चूरा पोस्त बेचते थे। हरिंदर सिंह मान, पीपीएस/मुख्य अधिकारी भोगपुर ने बताया कि मुखबिर खास की सूचना पर जम्मू साइड से आ रहे ट्रक की तलाशी ली तो उसमें से 8 बोरे डोडे चूरा-पोस्त बरामद हुए।

जालंधर ब्रीज : खबर का असर

इलाका वासियों ने ली राहत की सांस

करतारपुर : आर्य नगर, कलेर स्ट्रीट में इंटरलॉकिंग टाइल्स का अधूरा काम पूरा

लोकल बॉडी विभाग

• (फोटो 1,2) गली बनने का काम शुरू होने के बाद बीच में रुका। (फोटो 3,4) प्रशासन द्वारा गली में इंटरललॉकिंग टाइल्स लगाने का काम किया गया पूरा। फोटो : रवि

• जालंधर ब्रीज.
विशेष रिपोर्टर

नगर कौंसिल करतारपुर वार्ड नंबर 12 में पड़ते आर्य नगर कलेर स्ट्रीट में इंटरलॉक टाइल्स का मुद्दा पिछले कई महीनों से कौंसिल के अधिकारियों द्वारा हल न होता हुआ देख वहां के निवासियों द्वारा प्रशासन को कई बारी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नगर कौंसिल दफ्तर करतारपुर और प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखा गया।

संबंधित विभाग व अधिकारियों की अनदेखी को देखते हुए जालंधर ब्रीज द्वारा इस मुद्दे को प्रमुखता से अपने समाचार पत्र में प्रकाशित किया और समाचार पत्र के माध्यम से पूछा गया कि आखिर किन कारणों से पिछले कई महीनों से लंबित गली में लगनी वाली टाइल्स के काम को पूरा नहीं किया जा रहा?

क्यों अधिकारी लोगों के प्रति अपना कर्तव्य भूल रहे हैं जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है ?

गौरतलब है कि डिप्टी डायरेक्टर दरबारा सिंह द्वारा इस ओर कड़ा संज्ञान लेते हुए करतारपुर नगर कौंसिल के एग्जीक्यूटिव अफसर (इओ) चरण दास को निर्देश जारी किया गया। देर से ही सही लेकिन प्रशासन द्वारा पिछले दिनों पूरी गली में टाइल्स का काम खत्म कर दिया गया है। गली में टाइल्स का काम हो जाने से इलाका वासियों ने राहत की सांस ली है।

जिक्र योग्य है कि कई बार नगर कौंसिल करतारपुर द्वारा गली में टाइल्स के काम को शुरू करवाया गया था लेकिन बाद में इसी इलाके के रहने वाले कुछ लोगों के दबाव में काम को बंद करवा दिया जाता था। लेकिन नगर कौंसिल अधिकारी यह कह कर अपना पल्ला झाड़ लेते थे कि तय समय पर ग्रांट के पैसे न खर्च होने के कारण पैसे वापिस चले गए हैं।

इलाके की गलियां खस्ताहाल होने के कारण वहां रहने वाले दिव्यांग विनोद कुमार, बुजर्गो, बच्चों और यहां आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

• दिव्यांग विनोद कुमार

• टाइल्स का अधूरा काम हुआ पूरा।

प्रभावशाली व्यक्तियों की ताल पर खूब नाच रहे नगर कौंसिल अधिकारी

सरकारी आदेशों को दिखा रहे ठेंगा, लोग परेशान

• जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

नगर-कौंसिल करतारपुर में पड़ते आर्या नगर कलेर स्ट्रीट के निवासियों ने पिछले कुछ महीनों से अपनी गली ना बनने का कारण एग्जीक्यूटिव अफसर से आर.टी.आई में पूछा गया जिसमें उनके विभाग ने पैसों की कमी का होना बताया है और जो ग्रांट इस गली को बनाने के लिए मिली थी वो तय समय पर खर्च न होने के कारण वापिस चलेगी लेकिन गली में रहते लोगों ने बताया की 8-10-2020 को नगर कौंसिल के अधिकारियों द्वारा काम शुरू करवाया गया था पर गली में रहते ही कुछ लोगों के दबाव में इस गली का काम रोका गया है परन्तु नगर कौंसिल द्वारा उन पर सरकारी काम में विघ्न डालने पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गयी और जब लोगों द्वारा विभाग से ग्रांट वापिस जाने के कागज मांगे गए तो उन्होंने अपना पल्ला झाड़ते हुए कागज जल्द उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया, जिससे साफ पता चलता है की दाल में कुछ काला है और नगर कौंसिल के अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी साधे हुए बैठे है।

इस गली की शिकायत वहां रहते लोगों द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय में भी की गई है जिसमें उनके द्वारा मांग की गई है की उनकी गली में जल्दी

जालंधर ब्रीज के पिछले अंक में प्रकाशित खबर की कटिंग

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.